Bihar Board Class 7 Hindi Notes Chapter 4 दानी पेड़

दानी पेड़ Summary in Hindi

कहानी का सारांश – एक पेड़ को एक छोटे लड़के से बहुत प्यार था। वह लड़का प्रतिदिन पेड़ के पास आता था । वह फूलों की माला बनाकर पेड़ की तने पर चढ़ाता था, उसकी शाखा पर झूलता था। उसका फल खाता और वह पेड़ के साथ लुका-छिपी खेलता था। जब वह थक जाता तो पेड़ की छाँव में सो जाता था। लड़का भी पेड़ से बहुत प्यार करता था, इसलिए पेड़ बहुत खुश था।

समय बीतता गया लड़का जवान हो गया। अब वह पेड़ के साथ खेलने नहीं आता। पड़ अकेले दुःखी रहने लगा। एक दिन लड़का आया, पेड़ बहुत खुश हुआ। लड़का ने पेड़ से कहा—मुझे पैसे की जरूरत है जिससे मैं बहुत-सी चीज खरीदना चाहता हूँ। क्या तुम हमें पैसे दोगे । वृक्ष ने कहामेरे पास पैसे नहीं हैं, मेरे पास फल हैं, तुम फल तोड़कर बाजार में बेच लो, पैसे हो जाएँगे। लड़के ने सारे फल तोड़ लिये इसके बाद भी वृक्ष खुश था ।

कई साल के बाद वह युवक फिर पेड़ के पास आया और कहा-"मेरी शादी होने वाली है, मुझे घर चाहिए। क्या तुम मुझे एक घर दे सकते हो? पेड़ ने कहा हमारे पास घर नहीं है । तुम मेरी शाखाएँ काटकर ले जाओ और घर बना लो । युवक पेड़ की सारी शाखाएँ काट ली। इसके बाद भी पेड़ खुश था।

बहुत दिनों के बाद अब वह बच्चा अधेर व्यक्ति हो गया। एक दिन पेड़ के पास आकर कहा-हमें मछली मारने के लिए नाव चाहिए, क्या तुम नाव दे सकते हो? पेड़ ने कहा हमारे पास नाव नहीं है तुम मेरा बचा हुआ तना ले जाओ उससे नाव बन जाएँगे। वह पेड़ की तना को भी काट कर ले गया। अब उसका केवल जड़ बचा। इसके बाद भी पेड़ खुश था।

इस तरह कई वर्षों के बाद एक बूढ़ा आदमी पेड़ के पास आया। पेड़ पहचान गया। वही छोटा लड़का था। पेड़ ने खुशी मन से कहा-बेटा ! मैं तुझे कुछ देना चाहता था परन्तु हमारे पास कुछ नहीं है बताओ क्या तुझे दूँ। बूढ़े ने कहा तुम देख रहे हो मेरी हालत, मेरे दाँत गिर गये इसलिए फल नहीं खा सकता। मेरी उम्र शाखाओं पर झुलने की नहीं रही। तने पर चढ़ने का दम ही नहीं है। मैं बहुत थक गया हूँ। मुझे बस आराम से बैठने और सुस्ताने के लिए एक जगह चाहिए।

पेड़ ने कहा, तो आओ मेरे दूंठ (जड़) पर बैठ जा । वह बैठकर सुस्ताने लगा। अब भी पेड़ खुश था।

शिक्षा – अतः जो व्यक्ति दानी होते हैं वे सर्वस्व निछावर करके भी खुश रहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/